



NaMo 25 · #25YearsofSeva

GARIB · गरीब कल्याण

गरीब — अंतिम छोर तक

बैंक खाता, पक्का घर, गैस कनेक्शन, शौचालय, नल से जल, निशुल्क इलाज और राशन — हर सुविधा सीधे लाभार्थी तक, बिना बिचौलिये के।

7 अक्टूबर 2001 → 7 अक्टूबर 2026 · 25 साल, ज़ीरो ब्रेक · 25YearsofSeva.com · संस्करण 88 · 7 अक्टूबर 2026
हर आँकड़ा तिथि सहित — पूरा रिकॉर्ड वेबसाइट पर।



24.82 करोड़

लोग गरीबी से बाहर आए

2013-14 से 2022-23 के बीच (रिपोर्ट 15 जनवरी 2024)

81 करोड़+**लोगों को मुफ्त राशन**

पीएम गरीब कल्याण अन्न योजना से, मार्च 2020 से

4.21 करोड़**पक्के घर (2014–2024)**

पीएम आवास योजना — शहरी और ग्रामीण मिलाकर

10.57 करोड़**मुफ्त गैस कनेक्शन**

उज्ज्वला योजना से, 1 मई 2016 से (सितम्बर 2026 तक)

59.37 करोड़**जन धन बैंक खाते**

28 अगस्त 2014 से — हर परिवार बैंक से जुड़ा (सितम्बर 2026)

15.91 करोड़**गाँव के घरों में नल से पानी (82%)**

जल जीवन मिशन से, 15 अगस्त 2019 से (अगस्त 2026)

60 करोड़+**लोगों को ₹5 लाख तक मुफ्त इलाज का कवर**

आयुष्मान भारत से, 23 सितम्बर 2018 से

12 करोड़+**शौचालय बने**

स्वच्छ भारत मिशन से, 2 अक्टूबर 2014 से

51 लाख करोड़+**रुपये सीधे खातों में**

सरकारी सहायता बिना बिचौलिये के — जन धन, आधार और मोबाइल से

पड़ाव — तिथिवार

28 अगस्त 2014**जन धन योजना**

पहले ही सप्ताह में करोड़ों खाते खुले; सितम्बर 2026 तक 59.37 करोड़ खाते हैं और सरकारी लाभ सीधे इन्हीं में पहुँचता है।

2 अक्टूबर 2014**स्वच्छ भारत मिशन**

गांधी जयंती पर शुरू हुए अभियान से 12 करोड़ से अधिक शौचालय बने और गाँव खुले में शौच से मुक्त घोषित हुए।

1 मई 2016**उज्ज्वला योजना**

बलिया से शुरू हुई योजना ने 10 करोड़ से अधिक परिवारों को धुएँ से मुक्ति दी; 10 करोड़वाँ कनेक्शन 30 दिसम्बर 2023 को अयोध्या में दिया गया।

25 सितम्बर 2017**सौभाग्य**

सौभाग्य योजना ने हर घर तक बिजली का कनेक्शन पहुँचाया और 28 अप्रैल 2018 को देश का हर गाँव बिजली से जुड़ गया।

23 सितम्बर 2018**आयुष्मान भारत**

राँची से शुरू हुई विश्व की सबसे बड़ी स्वास्थ्य योजना 60 करोड़ से अधिक लोगों को ₹5 लाख तक का निशुल्क उपचार देती है; 29 अक्टूबर 2024 से 70 वर्ष से अधिक आयु के सभी नागरिक बिना आय-सीमा के इसमें शामिल हैं।

15 अगस्त 2019**जल जीवन मिशन**

लाल किले से हर घर नल से जल की घोषणा हुई; अगस्त 2026 तक लगभग 16 करोड़ (82%) ग्रामीण परिवार नल से जुड़ चुके हैं।

मार्च 2020**पीएम गरीब कल्याण अन्न योजना**

कोविड के संकट में शुरू हुई निशुल्क अनाज की योजना 81 करोड़ से अधिक लोगों तक पहुँची; एक राष्ट्र एक राशन कार्ड से प्रवासी कहीं भी राशन ले सकते हैं।

2015**पीएम आवास योजना**

शहरी और ग्रामीण घटकों से 2014 से 2024 के बीच 4.21 करोड़ पक्के घर बने, जिनमें अधिकांश महिलाओं के नाम या संयुक्त नाम पर हैं।

2020**पीएम स्वनिधि**

रेहड़ी-पटरी वालों को बिना गारंटी कार्यशील पूँजी मिली — मई 2026 तक 1.12 करोड़ से अधिक ऋण — और पहली बार औपचारिक ऋण तक उनकी पहुँच बनी।